PLANET NEWS INDIA Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, गुरुवार, 13 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

मौसम का कहर: 18 अगस्त तक बारिश के आसार; हिमाचल से मुंबई तक हाहाकार, भूस्खलन में कई मौतें; IMD अलर्ट में क्या?

देश के कई हिस्सों में बारिश और भूस्खलन ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मुंबई में भूस्खलन से सात लोगों की मौत हुई है, जबकि हिमाचल में 313 सड़कें बंद हैं और 30 जून से अब तक 75 लोगों की जान जा चुकी है। ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में भी भारी बारिश का असर है। मौसम विभाग ने कई इलाकों में अलर्ट जारी किया है।आइए, विस्तार से जानते हैं कि 18 अगस्त तक आपके प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम का मिजाज? देश के कई राज्यों में लगातार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। मुंबई से हिमाचल प्रदेश और ओडिशा से जम्मू-कश्मीर तक कहीं भूस्खलन हुआ है तो कहीं सड़कें और रास्ते बंद हो गए हैं। मुंबई के घाटकोपर में पहाड़ी का मलबा तीन मकानों पर गिरने से सात लोगों की मौत हुई है। हिमाचल में 313 सड़कें बंद हैं और राज्य में 30 जून से अब तक बारिश तथा मौसम से जुड़ी आपदाओं में 75 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में 18 अगस्त तक जारी मौसम चेतावनियों ने चिंता बढ़ा दी है।

मुंबई में भूस्खलन से कैसे हुई सात लोगों की मौत?

मुंबई के घाटकोपर इलाके की गौसिया चॉल में बुधवार तड़के करीब 3.45 बजे भूस्खलन हुआ। पहाड़ी का एक हिस्सा और मलबा तीन मकानों पर गिर गया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन बच्चों समेत छह लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। रमेश यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में सात लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। मुंबई की मेयर रीतू तावड़े ने घटनास्थल का दौरा कर बचाव कार्य का जायजा लिया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की वित्तीय मदद की घोषणा की।

राजस्थान में बारिश ने क्या असर डाला है?

राजस्थान में भी मानसून सक्रिय है और कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई है। चित्तौड़गढ़ के बासी में 227 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। उदयपुर में उदय सागर बांध का जलस्तर 21 फीट से ऊपर पहुंचने पर दो गेट एक-एक फुट खोले गए। कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की मुकुंदरा सुरंग में करीब एक फुट पानी भरने के कारण इसे बंद करना पड़ा। जयपुर समेत कई शहरों में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल में बारिश ने कितना बड़ा संकट खड़ा किया है?

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण 313 सड़कें बंद हैं। 65 पेयजल योजनाएं और 112 ट्रांसफार्मर भी प्रभावित हुए हैं। मंडी में सबसे ज्यादा 117 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा चंबा में 74, कुल्लू में 60, शिमला में 36 और सिरमौर में 13 सड़कें बंद हैं। राज्य सरकार के अनुसार 30 जून से अब तक बारिश और मौसम से जुड़ी आपदाओं में 75 लोगों की मौत हुई है और 911 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

18 अगस्त तक मौसम को लेकर क्या अलर्ट है?

- मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में 17 अगस्त तक बारिश और 18 अगस्त तक अपडेट दिया है।
- अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।
- इसका मतलब है कि पहाड़ी इलाकों में बारिश के साथ भूस्खलन और सड़कें बाधित होने का खतरा बना रह सकता है।
- लोगों के लिए मौसम की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।
- खासकर उन इलाकों में जहां पहले से ही सड़कें, पेयजल योजनाएं और बिजली व्यवस्था प्रभावित हैं।

ओडिशा में किन जिलों के लिए सबसे बड़ा अलर्ट है?

ओडिशा में बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण बारिश तेज होने की चेतावनी है। बालासोर और भद्रक में बृहस्पतिवार सुबह भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। दोनों जिलों में 20 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, अंगुल, क्योंझर, मयूरभंज और ढेंकनाल में अत्यधिक बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। कई इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, आंधी और बिजली गिरने की आशंका भी है।

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में क्या हाल है?

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़, कठुआ और पुलवामा में भारी बारिश से बाढ़, भूस्खलन और जलभराव हुआ है। किश्तवाड़ में सड़क का एक हिस्सा बहने से गुलाबगढ़-मचैल मार्ग प्रभावित हुआ। कठुआ में भूस्खलन के कारण बनी-बसोहली मार्ग का टिकरी मोड़ बंद हो गया। पुलवामा के अवंतिपोरा में श्रीनगर-अनंतनाग मार्ग पर जलभराव के बाद यातायात रोकना पड़ा। उत्तराखंड में बारिश और भूस्खलन के कारण मद्महेश्वर यात्रा सात अगस्त से अस्थायी रूप से रोक दी गई है।

MHA: सीबीआई-एनआईए सहित 5 केंद्रीय एजेंसियों में अब सात साल की प्रतिनियुक्ति, सीएपीएफ और एआर कर्मियों पर फैसला

सीबीआई सहित दूसरी एजेंसियों को लेकर भी ऐसा ही फीडबैक मिला था। इसके मद्देनजर यह निर्णय लिया गया कि 'सीएपीएफ' और 'एआर' कर्मियों को प्रारंभिक नियुक्ति के समय ही सात वर्ष की अवधि के लिए पांचों केंद्रीय एजेंसियों में प्रतिनियुक्त किया जाएगा। इसके लिए गृह मंत्रालय द्वारा 22 नवंबर 2016 के नीतिगत दिशानिर्देशों में संशोधन किए गए हैं। पैराग्राफ 3 (बी) (2) में 'प्रतिनियुक्ति की अवधि' शीर्षक के तहत कुछ प्रावधानों में बदलाव किया गया है। विशेष कार्यक्षेत्र वाली जॉब, जैसे सीबीआई, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और एनएसजी में अब प्रतिनियुक्ति की अवधि सात वर्ष कर दी गई है। यह अवधि उक्त एजेंसियों में प्रवेश करने के समय से लागू होगी। इन संगठनों को उपयुक्त प्रतिस्थापन नियुक्त करने के लिए काफी पहले से ही अग्रिम कदम उठाने की आवश्यकता होती है। ये आदेश केंद्रीय गृह मंत्री की स्वीकृति से जारी किए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ और असम राइफल्स के जवानों की सीबीआई, एनआईए, एनसीबी, एनडीआरएफ और एनएसजी में प्रतिनियुक्ति अवधि पांच से बढ़ाकर सात साल कर दी है। यह फैसला एजेंसियों में अनुभव और संस्थागत ज्ञान बनाए रखने के लिए लिया गया है। नए प्रावधान शुरुआती नियुक्ति से ही लागू होंगे। **केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीबीआई और एनआईए और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) सहित पांच केंद्रीय एजेंसियों में सीएपीएफ व असम राइफल्स के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की अवधि बढ़ा दी है। अब इन एजेंसियों में प्रतिनियुक्ति पर आने वाले कार्मिक पांच वर्ष की बजाए, सात साल तक तैनात रहेंगे। बाकी दो एजेंसियों में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय में पुलिस 2 प्रभाग (कार्मिक-नीति अनुभाग) की तरफ से जारी आदेश में यह जानकारी दी गई है। पहले एनएसजी द्वारा गृह मंत्रालय से अनुरोध किया गया था कि केंद्रीय एजेंसियों में प्रतिनियुक्ति पर आने वाले कार्मिकों के कार्यकाल की अवधि पांच वर्ष से बढ़ाकर सात साल कर दी जाए। उसके बाद सीबीआई की ओर से भी मई में गृह मंत्रालय से ऐसा ही अनुरोध किया गया कि सीएपीएफ व असम राइफल के कार्मिकों की प्रतिनियुक्ति सात साल तक बढ़ा दी जाए। इस मामले को लेकर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों 'सीएपीएफ' और असम राइफल 'एआर' के साथ परामर्श किया गया। उसमें यह बात सामने आई कि प्रतिनियुक्ति अवधि बढ़ाए जाने से एनएसजी में कार्मिकों के संस्थागत ज्ञान को बनाए रखने में मदद मिलेगी।**

मां तुझे प्रणाम: अलीगढ़ में आज होगा वीरांगनाओं और शहीदों के आश्रितों का सम्मान, गूंजेंगे देशभक्ति गीत

ओजोन सिटी का मां तुझे प्रणाम अभियान चल रहा है। इसके तहत आज ओजोन सिटी क्लब में वीरांगनाओं और शहीदों के आश्रितों का सम्मान होगा। स्कूली बच्चों की देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति होगी। मां तुझे प्रणाम अभियान के तहत गुरुवार को अलीगढ़ के ओजोन सिटी क्लब में वीरांगनाओं और शहीदों के आश्रितों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा, जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चे देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही गायन प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 38वीं पीएसी बटालियन के कमांडेंट राजेश द्विवेदी होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल आर.के. सिंह और कैप्टन आसीन खान मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के मेन स्पॉन्सर ओजोन सिटी, पावर्ड बाई सेठ मलूक चंद इंटरनेशनल स्कूल, एकत्व स्मार्ट सिटी, शर्मा आर्थोप्लास्टी एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, बालाजी प्रापर्टीज, सांगवान सिटी हैं।

कार्यक्रम के को-स्पॉन्सर सारेक्स पावर सोल्यूशन, बालजीवन मेडिसिन, प्रशांत एंटरप्राइजेज, माहेश्वरी नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, जादौन बिल्डर्स, पाठशाला क्लासेज, विजडम पब्लिक स्कूल, नोबल आईवीएफ एंड 3डी लैप्रोस्कोपी सेंटर (ए यूनिट ऑफ राजमाता हॉस्पिटल), कुमार नर्सिंग होम, बैंक ऑफ बड़ौदा, डॉ. प्रसून वार्ष्णेय, विश्व भारती पब्लिक स्कूल, एलआईसी, स्टार सीलिंग एंटरप्राइजेज, गनपति फाइनेंसियल सर्विसेज, श्री खुशीराम महाविद्यालय, खैर (अलीगढ़), श्री डॉट्स सेवा मार्ग पब्लिक स्कूल, ब्रिक्स एकेडमी, स्मित न्यूरो केयर एंड सुपरस्पेशलिटी सेंटर, कटारा क्लासेज हैं। इनके अलावा फूड पार्टनर मिल्कबार है।

Aligarh News: हॉकी, टेनिस और बैडमिंटन के चयन-ट्रायल की तिथि घोषित

प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में अलीगढ़ मंडल की टीम के चयन के लिए जिला और मंडल स्तरीय चयन-ट्रायल की तिथि घोषित कर दी गई हैं। हॉकी, टेनिस और बैडमिंटन के खिलाड़ियों के चयन के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। प्रदेशीय महिला हॉकी प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 15 अगस्त को दोपहर दो बजे और मंडलीय ट्रायल 16 अगस्त को होगा। प्रदेशीय प्रतियोगिता 20 से 22 अगस्त तक अयोध्या में आयोजित की जाएगी। वहीं, प्रदेशीय महिला टेनिस प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 15 अगस्त को सुबह 11 बजे और मंडलीय ट्रायल 16 अगस्त को होगा। इसकी प्रदेशीय प्रतियोगिता भी 20 से 21 अगस्त तक अयोध्या में होगी। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल दो सितंबर और मंडलीय ट्रायल तीन सितंबर को सुबह 11 बजे आयोजित किया जाएगा। प्रदेशीय प्रतियोगिता सात से नौ सितंबर तक गाजियाबाद में होगी। जिला क्रीड़ा अधिकारी पूनम लता ने बताया कि चयन-ट्रायल में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को सभी मूल प्रमाणपत्रों के साथ आयु प्रमाणपत्र अथवा आधार कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा।

Aligarh News: हरियाली तीज की तैयारी, महिलाएं कर रहीं खरीदारी

सजना है मुझे सजना के लिए... सावन की फुहारों के बीच इन दिनों यही गीत महिलाओं के मन को गुदगुदा रहा है। हरियाली तीज पर अपने पति की दीर्घायु की कामना के लिए सुहागिन महिलाएं शनिवार को व्रत रखेंगी। महिलाएं फिलहाल त्योहार की तैयारियों में जुटी हैं। सजने-संवरने के साथ पूजा-पाठ के सामान की खरीदारी की जा रही है। पहली बार व्रत रखने वाली महिलाओं में इस पर्व को लेकर ज्यादा उत्साह देखा जा रहा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार कभी माता पार्वती ने इसी व्रत को धारण कर भगवान शिव को प्राप्त किया था। इस दिन महिलाएं घरों में भगवान शिव एवं माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-पाठ कर तीज व्रत कथा का श्रवण करेंगी एवं मेवा-मिष्ठान का भोग लगाकर भगवान शिव और माता पार्वती से अपने पति की दीर्घायु की कामना करेंगी। महिलाएं पिछले कई दिनों से इसकी तैयारियों में जुटी हुई हैं। हरे परिधान, गहने और शृंगार सामग्री की खरीदारी की जा रही है।

एडीए कॉलोनी, रामघाट रोड, किशनपुर तिराहा, रेलवे रोड, मैरिस रोड, सेंटर प्वाइंट चौराहे, अमीर निशा, महावीरगंज, बड़ा बाजार, दुबे का पड़ाव, अचलताल, एटा चुंगी आदि पर मेंहदी लगाने की दुकानें सजी हुई हैं। जिन युवतियों के लिए शादी के बाद यह पहला त्योहार है, उनमें मायके जाने के लिए उत्साह दिख रहा है।

Aligarh News: फीस बढ़ोतरी के विरोध में छात्रों का हंगामा, प्रॉक्टोरियल टीम से धक्का-मुक्की

अलीगढ़। एएमयू के पॉलीटेक्निक डिप्लोमा की फीस बढ़ोतरी के विरोध में बुधवार दोपहर छात्रों ने पॉलीटेक्निक परिसर में प्रदर्शन किया। छात्रों ने एक ही कोर्स की अलग-अलग फीस लिए जाने पर सवाल उठाते हुए शुल्क नीति में पारदर्शिता की मांग की। हंगामे की सूचना पर पहुंची प्रॉक्टोरियल टीम ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इसके बाद दो-तीन छात्रों को प्रॉक्टर कार्यालय ले जाकर पूछताछ की गई और बाद में छोड़ दिया गया। एक छात्र ने आरोप लगाया कि उसे नियंत्रित करने के दौरान सुरक्षाकर्मी ने उसका गला दबाया। छात्रों ने सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार पर भी सवाल उठाए। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने फीस बढ़ोतरी के आधार और शुल्क निर्धारण की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि अगर एक ही कोर्स के लिए अलग-अलग शुल्क लिया जा रहा है तो विश्वविद्यालय प्रशासन को इसकी स्पष्ट वजह बतानी चाहिए। छात्रों ने मांग की कि फीस से जुड़ी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि विद्यार्थियों में किसी तरह का भ्रम न रहे। प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए कैंटीन और कक्षाएं भी प्रभावित हुईं। परिसर में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रॉक्टोरियल टीम मौजूद रही। छात्रों ने कहा कि फीस बढ़ोतरी से कई विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उनका कहना है कि शुल्क में बदलाव से पहले छात्रों को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए और फीस तय करने का आधार भी स्पष्ट होना चाहिए। प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद खान ने बताया कि छात्रों की फीस से संबंधित मामले की जानकारी विश्वविद्यालय प्रशासन को दे दी गई है। प्रशासन स्तर पर मामले को देखा जा रहा है। फिलहाल छात्रों की मांग फीस नीति में पारदर्शिता और अलग-अलग शुल्क लिए जाने की स्थिति को स्पष्ट करने की है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द बातचीत कर समस्या का समाधान करने की मांग की है। वहीं, प्रशासन की ओर से मामले की जानकारी उच्च स्तर पर पहुंचाए जाने की बात कही गई है। छात्रों के प्रदर्शन और प्रॉक्टोरियल टीम के साथ हुई धक्का-मुक्की के बाद परिसर में कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण रहा। हालांकि, पूछताछ के बाद छात्रों को छोड़ दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्र द्वारा लगाए गए सुरक्षाकर्मी पर आरोप की पुष्टि नहीं की गई है।

बदायूं में हादसा: दो मंजिला मकान का अगला हिस्सा गिरा, मलबे में दबने से महिला की मौत, तीन पशु मरे

उझानी क्षेत्र के गांव मीहलाल नगला में बृहस्पतिवार तड़के हादसा हो गया। एक दोमंजिला मकान का अगला हिस्सा अचानक गिर गया। इसके मलबे में दबकर एक महिला की मौत हो गई। तीन पशु भी मर गए। महिला पशुओं को खोलने गई थी, उसी वक्त यह हादसा हो गया। बदायूं के उझानी क्षेत्र के गांव मीहलाल नगला में बृहस्पतिवार तड़के करीब 5:00 बजे प्रताप सिंह का दो मंजिला मकान का अगला हिस्सा भरभराकर ढह गया। इस दौरान वहां मौजूद उनकी पत्नी अगरवती (55 वर्ष) और चार पशु दब गए। अगरवती बाहरी छोर पर दबी थीं, इसलिए उन्हें लोगों ने खींच लिया लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह पशुओं को खोलने गई थीं। हादसे में तीन पशु मर गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना के बाद एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन बल) की दो टीमें और नगर पालिका उझानी से जेसीबी बुला ली गई। एसडीआरएफ की टीम ने मलबा हटाया। इसके बाद ही मृत पशुओं को बाहर निकल गया। बताया गया कि इस मकान में कोई रहता नहीं था। अगला हिस्सा पहले दरका हुआ था, लेकिन बारिश में भीगने की वजह से और कमजोर हो गया। जिससे यह गिर गया।

प्रताप सिंह के अलावा उनके छोटे भाई नन्हे के मकान का अगला हिस्सा भी इस हादसे में क्षतिग्रस्त हुआ है। मृतका के बेटे विपिन ने बताया कि उनकी मां उस वक्त पशुओं को खोलने के लिए गई थी। इसी दौरान हादसा हो गया। प्रताप सिंह इस मकान के पास में बने दूसरे मकान में परिवार के साथ रहते हैं। महिला की मौत होने से परिवार में कोहराम मचा है।

UP: लखनऊ-सीतापुर-बरेली हाईवे होगा छह लेन, 65 किमी सड़क को चौड़ा करने पर खर्च होंगे एक हजार करोड़

पहले चरण में लखनऊ से सीतापुर तक मार्ग शामिल है। इसके लिए एनएचएआई ने प्रस्ताव भेज दिया है। 65 किमी की सड़क को चौड़ा करने पर एक हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। अवध और रूहेलखंड के बीच रफ्तार बढ़ाने के लिए लखनऊ-सीतापुर-बरेली हाईवे (एनएच-30) को छह लेन करने का फैसला किया गया है। एनएचएआई ने पहले चरण में लखनऊ से सीतापुर तक का 65 किमी का हिस्सा छह लेन करने का प्रस्ताव केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेज दिया है। साथ ही निर्माण के लिए टेंडर भी आमंत्रित कर लिए हैं।इस परियोजना से लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, शाहजहांपुर और बरेली जिलों की लाखों की आबादी को सीधा फायदा होगा। लखनऊ से बरेली तक हाईवे की कुल लंबाई 250 किमी है। पहले चरण में लखनऊ रिंग रोड से इस हाईवे के सीतापुर तक के हिस्से को चार लेन से छह लेन बनाने की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की गई है। एनएचएआई के सूत्रों के मुताबिक, अगर चरण में सीतापुर से बरेली तक का हिस्सा शामिल किया जाएगा। इससे वाया सीतापुर लखनऊ से बरेली और दिल्ली तक का सफर आसान हो जाएगा।

लखनऊ से सीतापुर तक 65 किमी हाईवे को चौड़ा करने पर एक हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। एनएचएआई के मुख्य महाप्रबंधक गौतम विशाल चरण पहारी ने बताया कि टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। जैसे ही केंद्रीय मंत्रालय की मंजूरी मिल जाएगी, इन टेंडरों को खोला जाएगा।

पति के साथ इस महिला की दरिंदगी सुनकर कांप जाएंगे आप

हत्या के बाद लाश को भी न बख्शा; 45 दिन तक किया ये काम

आगरा के सिकंदरा के रेणुका धाम में पति सुरेंद्र शर्मा की हत्या कर शव बाथरूम में दफनाने के मामले में पुलिस ने चार्जशीट तैयार कर ली है। मृतक की पहचान के लिए डीएनए जांच होगी, जबकि नाबालिग बेटियों समेत परिवार के बयानों को पुलिस ने अहम साक्ष्य माना है। आगरा के थाना सिकंदरा स्थित रेणुका धाम में पति की हत्या कर शव को बाथरूम में दफनाने वाली रूबी शर्मा के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट तैयार कर ली है। इसमें विवेचक ने फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने से लेकर मृतक की बेटियों और भाई के बयान को अहम माना है। कंकाल सुरेंद्र शर्मा का था? इसकी पुष्टि के लिए डीएनए जांच होगी। कोर्ट से इसकी अनुमति मिल गई है। बेटियों ने मां के खिलाफ बयान दिए हैं।तीन जुलाई को हत्याकांड सामने आया था। रेणुका धाम निवासी सुरेंद्र शर्मा 18 मई से लापता थे। 26 मई को गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजन ने तलाश की लेकिन वो मिले नहीं। सुरेंद्र पत्नी रूबी शर्मा, 14 और 9 वर्षीय बेटियों के अलावा मां के साथ रहते थे। बड़े भाई अनिल शर्मा ने सिकंदरा पुलिस को भाई की हत्या की जानकारी दी थी।रूबी ने पूछताछ में बताया था कि पति शराब पीकर मारपीट करता था। परेशान होकर उसने खीर में जहर मिलाकर हत्या कर दी। पति की मौत के बाद शव को घर के बाथरूम में दफन कर दिया। बाथरूम के फर्श का निर्माण करा दिया था। पुलिस ने मजदूरों से फर्श को खुदवाया था। कंकाल बरामद किया था। इससे खून के छींटे-धब्बे भी बह गए। कुकर का ढक्कन साफ कर रसोईघर में रख दिया।

शालिनी हत्याकांड: 'कहीं मुझे न मार दे', 96 घंटे बाद टूटा दिलीप, बोला-चरित्र पर था शक, चार सेकंड में तीन वार

जेल भेजने की घुड़की दी

शहर के नासिरपीर मोहल्ले में आठ अगस्त को पानी के टब में डुबोकर शिक्षिका शालिनी (29) की हत्या कर दी गई थी। दिन तीन बीतने के बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला। इस पर पुलिस ने मंगलवार को शिक्षक के छह परिजन को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। सभी से बारी-बारी सख्ती से पूछताछ की और जेल भेजने की घुड़की दी।

किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था

परिजन को परेशान देखकर शिक्षक टूट गया। शिक्षक दिलीप ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ वर्ष से पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। वह बिना बताए कहीं चली जाती थी और अपनी कमाई अपनी इच्छा से खर्च करती थी। यह सब उसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था।करीब छह महीने से पत्नी की हत्या कर उसे दुर्घटना दिखाने की योजना बना रहा था। आठ अगस्त को करीब पांच बजे उसकी नींद खुली।वह छत पर टहलने गया। आंगन में शालिनी बर्तन धो रही थी।

Fatehpur Teacher Murder Case: नासिरपीर मोहल्ले में शिक्षिका शालिनी की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी शिक्षक पति दिलीप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने पत्नी के चरित्र पर शक के चलते बर्तन धोते समय कुकर के ढक्कन से हमला कर और पानी के टब में डुबोकर उसकी हत्या कर दी थी। फतेहपुर जिले में अवैध संबंध के शक ने एक हंसते-खेलते परिवार को बर्बाद कर दिया। डेढ़ वर्ष से शिक्षिका पत्नी पर शक कर रहे पति ने षड्यंत्र रचकर बर्तन धोते समय कुकर के ढक्कन से चार सेकंड में तीन वार कर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसे पानी भरे टब में दो मिनट तक डुबोकर जान ले ली।वारदात को घटना दिखने के लिए खून के धब्बे भी साफ कर दिए कुकर के ढक्कन को किचन में रख दिया। हत्या का शक पुलिस को पति पर ही था, लेकिन पर पुलिस को गुमराह कर रहा था। पुलिस ने शिक्षक के परिजन को हिरासत में लिया तो 96 घंटे के बाद उसने वारदात स्वीकार की। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया। कुकर की सीटी वाला हिस्सा (खूंटी) सिर में घुसने से वह बेहोश हो गई। पास में रखा कांच का गिलास भी टूट गया। कांच का टुकड़ा शालिनी के पैर में घुस गया। इसके बाद पानी से भरे टब में गर्दन पकड़कर उसे करीब दो मिनट तक डुबोए रखा। सांसें थमने के बाद टब का वॉल्व खोलकर पानी बहा दिया।

15 अगस्त और पतंगबाजी: दिल्ली में चीनी मांझे का कोड नाम धागा 101 और 555, गोरखधंधे ने भरी गुपचुप उड़ान

स्वतंत्रता दिवस नजदीक आते ही दिल्ली में पतंगों का बाजार सज गया है लेकिन पतंगबाजी के इस उत्साह के बीच प्रतिबंधित चीनी मांझे की गुपचुप बिक्री ने चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन की सख्ती से बचने के लिए अब इसे खुले तौर पर चीनी मांझा नाम से बेचने के बजाय अलग-अलग कोड वर्ड का सहारा लिया जा रहा है। कहीं इसे 'धागा 101' तो कहीं 'धागा 555' के नाम से पहचाना जा रहा है। खास बात यह है कि मांझा अब दुकानों के काउंटर पर खुलेआम नजर नहीं आता। पहचान के ग्राहकों से पहले ऑर्डर लिया जाता है और फिर इसे तय जगह पर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। पुरानी दिल्ली के लाल कुआं बाजार में प्रतिबंधित मांझे की गुपचुप बिक्री की जानकारी सामने आई है। यहां एक चरखी के लिए 1000 से 1500 रुपये तक कीमत बताई जा रही है। सामान्य पतंग के मांझे की तुलना में इसकी कीमत काफी अधिक है। दुकानदार इसे सादे कागज में लपेटकर रखते हैं, ताकि बाहर से इसकी पहचान न हो सके। कुछ जगहों पर खरीदार को पहले संपर्क करना पड़ता है और इसके बाद उपलब्धता और कीमत बताई जाती है।

डियर कुचु पुचु, पतंग उड़ाओ लेकिन चाइनीज मांझे को न कहो

दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुचु पुचु ट्रेंड को सुरक्षा संदेश से जोड़ते हुए लोगों से प्रतिबंधित चीनी मांझे से दूर रहने की अपील की है। दिल्ली पुलिस ने पोस्ट में लिखा कि डियर कुचु पुचु, पतंग उड़ाओ लेकिन चाइनीज मांझे को न कहो। पुलिस का संदेश साफ है कि पतंग उड़ाना मनोरंजन का हिस्सा है, लेकिन धारदार सिंथेटिक मांझा लोगों, पक्षियों और जानवरों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सोशल मीडिया पर पुलिस के इस अंदाज को लेकर लोगों ने हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रियाएं भी दीं। कुछ यूजर्स ने इसे दिल्ली पुलिस का जेन-जी अंदाज बताया, जबकि कुछ ने कहा कि पुलिस समय के साथ अपनी संवाद शैली बदल रही है।दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित चीनी और मैटेलिक-कोटेड मांझे के खिलाफ सघन अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। अपराध शाखा और मध्य जिला पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में कुल 1,518 रील को जब्त किया है और इस सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

दुकान पर नहीं, ऑर्डर के बाद पहुंच रहा मांझा

प्रतिबंधित मांझे की बिक्री का तरीका बदलता नजर आ रहा है। तुर्कमान गेट इलाके के एक दुकानदार के मुताबिक, कुछ ग्राहकों से पहले संपर्क के जरिये ऑर्डर लिया जाता है। इसके बाद मांझे को दुकान से अलग स्थान पर पहुंचाने की बात कही जाती है। वहीं, लाल कुआं बाजार में पतंग खरीदने पहुंचे कुछ लोगों ने भी बताया कि प्रतिबंधित मांझा उपलब्ध होने की जानकारी तो मिलती है, लेकिन इसे सामान्य तरीके से दुकान से खरीदना आसान नहीं है। सदर बाजार, तुर्कमान गेट और ओखला की संकरी गलियों में भी अलग-अलग नामों और पहचान के जरिये इसकी बिक्री किए जाने की बात सामने आई है।प्रतिबंधित मांझे की बिक्री से सामान्य पतंग कारोबारियों में भी नाराजगी है। लाल कुआं के कुछ दुकानदारों का कहना है कि कुछ लोग अधिक कमाई के लिए चोरी-छिपे प्रतिबंधित मांझा बेचते हैं। इससे उन कारोबारियों की भी बदनामी होती है जो नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित मांझा बेच रहे हैं। पतंग कारोबारी महेश के मुताबिक, पतंग उड़ाना दिल्ली की पुरानी परंपरा और मनोरंजन का हिस्सा है,

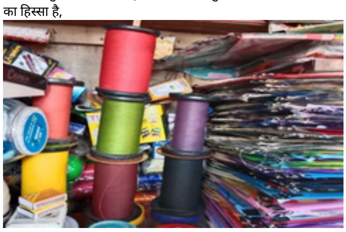

UN रिपोर्ट में खुलासा: लाल किले के पास कार धमाके के पीछे था अल-कायदा का नया संगठन, नौ महीने पहले हुआ था हमला

नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके को लेकर यूएनएससी की नई रिपोर्ट में एक्यूआईएस का नाम सामने आया है। इससे पहले एक रिपोर्ट में हमले को जैश-ए-मोहम्मद से जोड़ा गया था, तो आखिर 11 लोगों की जान लेने वाले इस हमले के पीछे किस आतंकी संगठन का हाथ था? पढ़िए रिपोर्ट- दिल्ली के लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए धमाके को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि इस हमले में भारतीय महाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) शामिल था। इस धमाके में 11 लोगों की जान गई थी। यूएनएससी के विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल की यह 38वीं रिपोर्ट है। रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि एक्यूआईएस अब एक बिखरा हुआ संगठन नहीं रहा। वह एक क्षेत्रीय आतंकी संगठन के तौर पर आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्यूआईएस ने अपने काम के लिए सामान पहुंचाने और पैसे से जुड़े नेटवर्क बनाए हैं। संगठन बड़े समूहों की जगह छोटे और अलग-अलग सेल के जरिये काम कर रहा है। रिपोर्ट में साफ तौर पर नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले के पास हुए हमले के लिए एक्यूआईएस को जिम्मेदार बताया गया है। इसमें यह भी चिंता जताई गई है कि एक्यूआईएस बांग्लादेश का इस्तेमाल वहां अपने आतंकी ठिकाने बनाने के लिए करने की कोशिश कर रहा है।

पहले किस आतंकी संगठन का आया था नाम?

लाल किले के पास धमाके के लिए एक्यूआईएस का नाम सामने आना इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट में इस हमले के तार जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए बताए गए थे।

यूएनएससी के निगरानी दल की 37वीं रिपोर्ट के मुताबिक, एक सदस्य देश ने कहा था कि जैश-ए-मोहम्मद ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली थी। इसी संगठन के बारे में यह भी बताया गया था कि उसका नवंबर 2025 के लाल किले के पास हमले से संबंध हो सकता है। यानी पिछली रिपोर्ट में जैश-ए-मोहम्मद का लिंक बताया गया था। अब नई रिपोर्ट में इस हमले को एक्यूआईएस से जोड़ा गया है।

कैसे हुआ था लाल किले के पास धमाका?

नवंबर 2025 में दिल्ली में शाम करीब सात बजे यह धमाका हुआ था। लाल किले के पास एक चलती हुंडई आई20 कार में जोरदार विस्फोट हुआ था। इस कार को उमर नबी चला रहा था। उस पर आत्मघाती हमलावर होने का शक था। धमाके में उसकी भी मौत हो गई थी। इस हमले में 11 लोगों की मौत हुई थी। दो दर्ज से अधिक लोग घायल हुए थे।

अल-कायदा और आईएसआईएल को लेकर चिंता

यूएनएससी की ताजा रिपोर्ट में अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएल) से जुड़े संगठनों को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अल-कायदा और आईएसआईएल कई साल से रासायनिक और जैविक हथियार बनाने में रुचि दिखा रहे हैं। हालांकि, वे अब तक ऐसे हथियार बनाने की तकनीकी मुश्किलों को दूर नहीं कर पाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे हथियारों से जुड़े निर्देश आतंकी समूहों के बीच ऑनलाइन बड़े पैमाने पर साझा किए गए हैं। रिपोर्ट में आईएसआईएल की अंग्रेजी भाषा की पत्रिका इनवेड पत्रिका का भी जिक्र किया गया है। इसमें फरवरी में बोटुलिनम टॉक्सिन और साइनाइड से जुड़ी जानकारी प्रकाशित की गई थी। निगरानी दल ने यह भी कहा कि आईएसआईएल-के की खास दिलचस्पी रिसिन (जहरीला पदार्थ) में रही है। उसने 12 महीनों में रिसिन को बनाने से जुड़े निर्देश भी साझा किए हैं।

एनआईए का 7,500 पन्नों का आरोपपत्र

इस बीच, नवंबर 2025 में लाल किले के पास कार में धमाके के मामले में राउस एवेन्यू कोर्ट ने एनआईए के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के लिए 27 अगस्त की तारीख तय की है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ 7,500 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। हमले के पीछे इन लोगों के होने का शक है। अभियोजन पक्ष की शिकायत भी हजारों पन्नों की है। इसमें 580 से ज्यादा गवाहों का जिक्र किया गया है।

Pakistan: पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

पाकिस्तान के आंतकी और राजनेताओं के गठजोड़ एक बार फिर बेनकाब हो गया है। पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद इस्लामाबाद में आतंकियों के साथ मंच साझा करते दिखे। साथ ही उन्होंने खुद को हाफिज सईद का गुलाम तक बता दिया।

पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया है। शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे।

भारत को दी गीदड़ भभकी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दीं।

पाकिस्तान का पूर्व गृह मंत्री रहा है शेख रशीद

शेख रशीद पाकिस्तान की इमरान खान सरकार में 2020 से 2022 तक गृह मंत्री रहा। वह अवामी मुस्लिम लीग पार्टी का संस्थापक नेता भी है। शेख रशीद इससे पहले भी अपने भारत विरोधी बयानों को लेकर चर्चा में रहा है। 2019 में भी शेख रशीद ने भारत के खिलाफ बेहद उग्र बयान दिए थे और युद्ध और परमाणु हथियारों की बात की थी।

कौन है भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफिज सईद

हाफिज सईद आंतकी संगठन लश्कर एक तैयबा का प्रमुख है और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है। हाफिज सईद ही 26/11 के मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। साथ ही पुलवामा में हुए हमले का मास्टरमाइंड भी उसे ही माना जाता है। हाफिज सईद जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकी समूहों को फंडिंग करता है। अमेरिका ने भी हाफिज सईद को आतंकी घोषित किया हुआ है और उस पर करोड़ों डॉलर का इनाम है। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेंगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़: एसी जैकेट से UV छाते तक, ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका?

पूर्वी एशिया में बढ़ती गर्मी के बीच जापान में लोग राहत के लिए नई तकनीक का सहारा ले रहे हैं। पंखे वाली जैकेट, सेमीकंडक्टर पंखे, ठंडे बूथ, सौर ऊर्जा वाली टोपियां और यूवी छाते इस्तेमाल में बढ़े हैं। कुछ उपकरण शरीर के आसपास हवा पहुंचाते हैं तो कुछ ठंडक पैदा करते हैं। लेकिन जब तापमान 33 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाए, तो क्या ये तकनीकें पर्याप्त हैं या सावधानी ज्यादा जरूरी है? पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं।

एसी जैकेट शरीर को कैसे ठंडा करती है?

एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है।

सेमीकंडक्टर पंखे और ठंडे बूथ में क्या खास है?

जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें।

सौर टोपी और यूवी छाते कैसे देते हैं गर्मी से राहत?

धूप में सिर को ठंडा रखने के लिए पंखे वाली सौर टोपियों का चलन भी बढ़ रहा है। इन टोपियों में पंखे लगाए जाते हैं, जिन्हें सौर ऊर्जा से चलाया जा सकता है।

कोलंबिया: मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान; बेटे के जन्मदिन पर काल के मुंह से बाहर आई मां

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के भूकंप के तीसरे दिन मलबे से छह महीने के बच्चे और एक व्यक्ति को सुरक्षित बचाया गया। कैली में स्वयंसेवकों ने धीमी आवाज सुनकर हाथों से मलबा हटाया। वहीं डेनियला नाम की महिला 38 घंटे तक मलबे में फंसी रहने के बाद बचाई गईं। भूकंप में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई। सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है। इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया। वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गईं। घटना के दिन उनके बेटे का 12वां जन्मदिन था और परिवार जश्न की तैयारी कर रहा था। डेनियला परेरा शहर में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से मलबे में फंस गई थीं और 38 घंटे तक दबी रहीं। रेस्क्यू टीम ने 10 घंटे के कड़े संघर्ष के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय लोगों ने तालियां बजाकर खुशी मनाई। पिता ने इसे अपनी बेटी के दोबारा जन्म जैसा बताया है।

क्लिंटन के डिकॉय प्लेन का राज: ट्रंप के विमान बदलने से जुड़ी कहानी, 26 साल पहले पाकिस्तान में हुआ क्या था?

मार्च 2000 में बिल क्लिंटन के पाकिस्तान दौरे पर सुरक्षा के लिए 'डिकॉय' (चकमा देने वाले) विमान का इस्तेमाल हुआ था। एयर फोर्स वन के निशान वाले पहले विमान से क्लिंटन का हमशक्ल सीक्रेट सर्विस एजेंट उतरा, जबकि क्लिंटन बाद में बिना निशान वाले दूसरे विमान से सुरक्षित उतरे। 26 साल बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी उसी राह पर चले। आखिर तब पाकिस्तान में हुआ क्या था? अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के मार्च 2000 के पाकिस्तान दौरे से जुड़ा एक बड़ा सुरक्षा राज 26 साल बाद सामने आया है। व्हाइट हाउस की दिग्गज पत्रकार सुसान पेज ने बताया है कि क्लिंटन के भारत से पाकिस्तान रवाना होने से पहले अमेरिकी प्रशासन ने पत्रकारों को ऑफ-द-रिकॉर्ड ब्रीफिंग दी थी। इसमें पाकिस्तान की उड़ान के दौरान उठाए जा रहे असाधारण सुरक्षा कदमों की जानकारी दी गई थी। इनमें डिकॉय (चकमा देने वाले) विमान का इस्तेमाल भी शामिल था। उस समय सुसान पेज व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन की चीफ थीं। अब वह यूएसए टुडे की वाशिंगटन ब्यूरो चीफ हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी थी कि पाकिस्तान यात्रा के दौरान राष्ट्रपति क्लिंटन के साथ-साथ यात्रा कवर कर रहे पत्रकारों की जान को भी गंभीर खतरा था। पेज ने कहा कि उन्होंने इस घटना के बारे में पहले कभी बात नहीं की, क्योंकि ब्रीफिंग पूरी तरह ऑफ-द-रिकॉर्ड थी। लेकिन 26 साल से अधिक समय बीत चुका है और क्लिंटन के इस्लामाबाद पहुंचते ही पूरा छल सामने आ गया था। इसलिए अब उन्होंने इसके बारे में बताना उचित समझा।

आखिर पाकिस्तान में हुआ क्या था?

मार्च 2000 में एयर फोर्स वन के निशान वाला एक अमरीकी विमान इस्लामाबाद में टेलीविजन कैमरों के सामने उतरा। विमान का दरवाजा खुला और सबसे पहले एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी बाहर आया। वह दिखने में हूबहू राष्ट्रपति बिल क्लिंटन जैसा था। इसके कुछ ही समय बाद एक बिना निशान वाला दूसरा विमान वहां पहुंचा। असल में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन इसी दूसरे विमान में मौजूद थे और वहीं से बाहर निकले। यानी पहला विमान और उसमें मौजूद व्यक्ति एक तरह से डिकॉय (भटकाने वाले) थे, जबकि राष्ट्रपति को दूसरे सुरक्षित विमान से उतारा गया था।

- क्लिंटन के ऑपरेशन में क्या हुआ था?बिल क्लिंटन मार्च 2000 में भारत से पाकिस्तान पहुंचे थे।
- एयर फोर्स वन के निशान वाला विमान कैमरों के सामने एयरपोर्ट पर उतरा।
- क्लिंटन जैसे दिखने वाला एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी पहले बाहर आया।
- इसके बाद बिना किसी आधिकारिक निशान वाला एक दूसरा विमान पहुंचा।

राष्ट्रपति क्लिंटन वास्तव में इसी दूसरे विमान से सुरक्षित बाहर निकले।

क्या ट्रंप के मामले में भी अपनाई गई ऐसी ही रणनीति?

क्लिंटन से जुड़ा यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब 'द वॉशिंगटन पोस्ट' ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक गुप्त सुरक्षा ऑपरेशन की रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने तुर्किये से रवाना होते समय ट्रंप ने ईरानी खतरे के कारण गुप्त रूप से अपना विमान बदल लिया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप को एयरपोर्ट के एक कैटरिंग ट्रक के जरिए एक बिना निशान वाले अमेरिकी एयर फोर्स C-32A विमान तक पहुंचाया गया। दूसरी ओर, प्रेस प्रतिनिधियों और कई व्हाइट हाउस सहयोगियों को यह विश्वास दिलाया गया कि ट्रंप पूर्व एयर फोर्स वन पर ही मौजूद हैं। राष्ट्रपति का मुख्य विमान प्रेस और बाकी स्टाफ को लेकर डिकॉय की भूमिका में उड़ता रहा। इस मामले में ट्रंप के साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों को विमान बदलने या खतरे की गंभीरता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। डिकॉय विमान में मौजूद मीडिया कर्मियों को पूरी यात्रा के दौरान खिड़कियों के शेड नीचे रखने का निर्देश दिया गया था।

व्हाइट हाउस का क्या कहना है?

व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने कथित विमान बदलने की घटना का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया। हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए उठाए गए इन कड़े कदमों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कई दुश्मन राष्ट्रपति की मौत चाहते हैं और इन खतरों से निपटने के लिए हर उपलब्ध साधन का इस्तेमाल किया जाता है। बाद में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान से लगातार खतरा बना हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'लेकिन अगर मैं जाता हूं, तो आप भी जाते हैं। है न?' इसके बाद उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि शायद किसी दिन पत्रकार अपना पेशा बदलना चाहेंगे।

CEO Resignation: सीईओ के अचानक इस्तीफे से गोदरेज कंज्यूमर के शेयर 11% टूटे,

Godrej Consumer Share Price: गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयरों में बुधवार को 11.2 फीसदी की तेज गिरावट आई और शेयर 910 रुपये पर बंद हुआ। सीईओ सुधीर सीतापति के अचानक इस्तीफे को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। उनका कार्यकाल 2031 तक बढ़ाया गया था, लेकिन तीन महीने बाद ही उन्होंने पद छोड़ दिया। अब आसिफ मालबारी को नया एमडी और सीईओ बनाया गया है। निवेशकों की चिंता इतनी क्यों बढ़ी? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयरों में बुधवार को भारी बिकवाली देखने को मिली। कंपनी के सीईओ सुधीर सीतापति के अचानक इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद शेयर 11 फीसदी से ज्यादा टूट गया। यह छह साल से ज्यादा समय में कंपनी के शेयर की सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट रही। कारोबार के दौरान शेयर 11 फीसदी तक गिरकर 912.60 रुपये तक पहुंच गया और अंत में 11.2 फीसदी नीचे 910 रुपये पर बंद हुआ। इस गिरावट ने कंपनी की रणनीति और उसके आगे के कामकाज को लेकर निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

सीईओ के इस्तीफे के बाद शेयर में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई?

सुधीर सीतापति ने मंगलवार से कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद से इस्तीफा दे दिया। खास बात यह है कि उनका कार्यकाल हाल ही में बढ़ाकर 2031 तक किया गया था और इस्तीफा दोबारा नियुक्त किए जाने के करीब तीन महीने बाद आया है। सीतापति ने अपने इस्तीफे में कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने जो काम अपने लिए तय किया था, वह पूरा हो गया है और अब आगे बढ़ने का सही समय है। उनके अचानक जाने से निवेशकों के बीच कंपनी की रणनीति को लागू करने की गति और आगे की दिशा को लेकर सवाल खड़े हुए हैं।

अब कंपनी की कमान किसके हाथ में होगी?

सीतापति के इस्तीफे के बाद कंपनी ने मुख्य वित्त अधिकारी आसिफ मालबारी को पांच साल के लिए नया एमडी और सीईओ नियुक्त किया है। इसके लिए मालबारी ने मंगलवार से मुख्य वित्त अधिकारी पद से इस्तीफा दिया। उनकी जगह विशाल केडिया को अंतरिम मुख्य वित्त अधिकारी बनाया गया है। यानी कंपनी ने नेतृत्व में बदलाव के साथ तत्काल व्यवस्था भी कर दी है। हालांकि, बाजार में इस बदलाव को लेकर राय एक जैसी नहीं है। कुछ विश्लेषकों ने रणनीति के क्रियान्वयन को लेकर चिंता जताई है, जबकि कुछ ने कंपनी के शेयर पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है।

ब्रोकरेज ने कंपनी के शेयर को लेकर क्या संकेत दिए?

सीतापति के अचानक इस्तीफे के बाद कुछ ब्रोकरेज ने कंपनी के शेयर को लेकर सतर्क रुख अपनाया है। एचएसबीसी ने शेयर की रेटिंग घटाकर 'होल्ड' कर दी और 1,120 रुपये का लक्ष्य मूल्य रखा। उसने शेयर के मूल्य-आय अनुपात को भी 45 गुना से घटाकर 40 गुना किया। सीएलएसए ने अंडरपरफॉर्म की रेटिंग बरकरार रखते हुए 772 रुपये का लक्ष्य दिया और व्यक्तिगत देखभाल तथा घरेलू कीटनाशक कारोबार में कमजोर वृद्धि को चुनौती बताया। दूसरी ओर सिटी, जेफरीज और गोल्डमैन सैक्स ने 'बाय' रेटिंग बरकरार रखी। गोल्डमैन सैक्स ने हालांकि लक्ष्य मूल्य करीब 12 फीसदी घटाकर 1,175 रुपये किया।

Women Entrepreneurs: जेम पोर्टल पर महिलाओं ने किया 28 हजार करोड़ का कारोबार, सरकारी खरीद में कैसे बढ़ा दबदबा?

जेम पोर्टल पर कितना बड़ा कारोबार हुआ?

जेम पोर्टल पर इस समय 1.37 लाख सरकारी खरीदार मौजूद हैं। इन खरीदारों ने करीब 25 लाख विक्रेताओं से कारोबार किया है। पोर्टल के जरिए अब तक करीब 20 लाख करोड़ रुपये की कुल सरकारी खरीदारी हो चुकी है। इनमें देशभर के सूक्ष्म और लघु उद्योगों की बड़ी भागीदारी है। खास बात यह है कि 2.1 लाख से अधिक ऐसे सूक्ष्म एवं लघु उद्योग हैं, जिन्हें महिलाएं चला रही हैं।

महिला उद्यमियों के लिए जेम कितना बड़ा बाजार बना?

महिला संचालित उद्योगों से 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी होना इस बात को दिखाता है कि सरकारी विभागों के लिए ये कारोबारी महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बन रहे हैं। जेम पोर्टल ने सरकारी खरीद और कारोबारियों के बीच एक डिजिटल रास्ता बनाया है। इससे महिला उद्यमियों को सरकारी विभागों तक अपने उत्पाद और सेवाएं पहुंचाने का मौका मिला है।

कर्नाटक के कितने एमएसएमई जेम पर पंजीकृत?

देशभर में जेम पोर्टल पर 11.75 लाख एमएसएमई पंजीकृत हैं। इनमें सबसे ज्यादा 55,053 एमएसएमई कर्नाटक के हैं। कर्नाटक के कुल विक्रेताओं में बंगलूरू की भी काफी बड़ी हिस्सेदारी है। राज्य के कुल विक्रेताओं में से 16,091 उद्यमी अकेले बंगलूरू से हैं। यह आंकड़ा बताता है कि डिजिटल सरकारी खरीद में कर्नाटक और खासकर बंगलूरू की कारोबारी भागीदारी मजबूत है।इस तरह बंगलूरू महिला कारोबारियों के लिए भी जेम पोर्टल पर एक प्रमुख कारोबारी केंद्र के तौर पर सामने आया है।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस यानी जेम पोर्टल सरकारी खरीद का बड़ा डिजिटल मंच बन चुका है। इसकी शुरुआत से अब तक यहां करीब 20 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी हुई है। इसमें महिला संचालित सूक्ष्म और लघु उद्योगों से 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की खरीद हुई। आखिर महिला उद्यमियों की सरकारी खरीद में इतनी बड़ी हिस्सेदारी कैसे बनी और जेम पोर्टल उनके कारोबार के लिए कितना बड़ा बाजार बन चुका है?सरकारी खरीद में अब महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस यानी जेम पोर्टल के जरिए सरकारी विभागों ने महिला संचालित सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से शुरुआत से अब तक 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी की है। जेम के 10वें स्थापना दिवस पर जारी सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश में सरकारी खरीदारी का ढांचा अब पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी हो चुका है।

सरकारी खरीद में भारतीय सेना सबसे आगे कैसे रही?

मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने में रक्षा क्षेत्र की भूमिका भी सामने आई है। जेम पोर्टल से हुई करीब 20 लाख करोड़ रुपये की कुल खरीदारी में अकेले भारतीय सेना ने 1.35 लाख करोड़ रुपये के सामान और सेवाओं की खरीद की है। रिपोर्ट के अनुसार जेम पोर्टल से हुई कुल सरकारी खरीदारी में सेना की हिस्सेदारी 14.93 फीसदी रही। इससे सरकारी खरीद में सेना की बड़ी भूमिका का पता चलता है।

महिला उद्यमियों के पंजीकरण में कर्नाटक की स्थिति क्या?

जेम पोर्टल पर कुल 2,17,155 महिला उद्यमी पंजीकृत हैं। इनमें अकेले कर्नाटक की 10,896 महिलाएं शामिल हैं। कर्नाटक में पंजीकृत महिला उद्यमियों में 3,052 महिलाएं बंगलूरू से हैं।

SBI S Bonds: वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच स्टेट बैंक ने जुटाए 50 करोड़ डॉलर, जानिए क्या है पूरा मामला

आखिर इस विदेशी बॉन्ड की ब्याज दर क्या है और इसे किन प्लेटफॉर्म्स पर लिस्ट किया जाएगा?

एसबीआई के इस विदेशी बॉन्ड की वार्षिक कूपन (ब्याज) दर 5.25 प्रतिशत तय की गई है। इस पूरे सौदे को एसबीआई की लंदन शाखा के माध्यम से विदेशी ऋण पूंजी बाजार में अंजाम दिया गया। इस बॉन्ड की कीमत को 5-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी दर के मुकाबले बेंचमार्क किया गया था और इसे बेंचमार्क से केवल 88 बेसिस पॉइंट के बेहद कड़े स्प्रेड पर तय किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद, इस ऋण साधन को तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज प्लेटफॉर्म्स-SGX-ST, India INX, और NSE-IX पर लिस्ट किया जाएगा।

विदेशी निवेशकों के बीच इस बॉन्ड को लेकर कैसा क्रेज देखने को मिला?

इस बॉन्ड को अंतरराष्ट्रीय बाजार से बेहद शानदार और भारी प्रतिक्रिया मिली। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के बड़े संस्थागत निवेशकों ने इस बॉन्ड को खरीदने में अपनी मजबूत रुचि दिखाई। मांग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस बॉन्ड के लिए बुक बिल्डिंग के दौरान बोलियों की चरम सीमा 2.46 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जिसमें कुल 145 वैश्विक निवेशकों ने भाग लिया। इस भारी मांग को देखते हुए बैंक ने शुरुआती मूल्य मार्गदर्शन को ट्रेजरी दर +120 बेसिस पॉइंट से घटाकर केवल ट्रेजरी दर +88 बेसिस पॉइंट कर दिया, जिससे बैंक की कुल ब्याज लागत में 32 बेसिस पॉइंट की सीधी बचत हुई। कि वैश्विक निवेशकों को भारत की विकास गाथा और एसबीआई की क्रेडिट गुणवत्ता पर पूरा भरोसा है, जिससे देश के अन्य जारीकर्ताओं के लिए भी कर्ज की लागत को नियंत्रित रखने में मदद मिली है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अपनी लंदन शाखा के जरिए \$500 मिलियन का 'रेगुलेशन एस' बॉन्ड सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। जानिए इस बॉन्ड पर कितना ब्याज मिलेगा, इसकी रेटिंग क्या है और विदेशी निवेशकों में इसे लेकर कितनी होड़ मची। वैश्विक बाजारों में चल रही उथल-पुथल और अनिश्चितता के माहौल के बीच, भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी वित्तीय साख का लोहा मनवाया है। एसबीआई ने अपनी लंदन शाखा के जरिए 50 करोड़ डॉलर (आधा अरब डॉलर) मूल्य के रेगुलेशन एस बॉन्ड का सफलतापूर्वक मूल्य निर्धारण पूरा कर लिया है। हैरान करने वाली बात यह है कि विदेशी निवेशक इस बॉन्ड को खरीदने के लिए इस कदर टूट पड़े कि बैंक को उम्मीद से कई गुना अधिक बोलियां मिल गईं और बैंक को ब्याज दरों के अंतर (स्प्रेड) को काफी कम करना पड़ा। एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने इस ऐतिहासिक सफलता को भारत की विकास गाथा और एसबीआई की वित्तीय साख पर दुनिया भर के निवेशकों के अटूट भरोसे का सबसे बड़ा प्रमाण बताया है।

स बड़ी सफलता पर एसबीआई के चेयरमैन का क्या कहना है?

इस ऐतिहासिक डील को पूरा करने के बाद एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा कि चल रही वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच 500 मिलियन डॉलर का यह सफल मूल्य निर्धारण विदेशी बाजारों में एसबीआई के बॉन्ड के लिए निवेशकों की मजबूत भूख को दर्शाता है। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया है

Gold Silver Price: सोने की कीमतों में उछाल, भाव ₹1.59 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा सोना; जानिए चांदी की कीमत

आज सोने और चांदी की कीमतों में कितना बड़ा उछाल आया है?

बुधवार (12 अगस्त 2026) को दिल्ली के सर्राफा बाजार में 99.9% शुद्धता वाला सोना 2,600 रुपये महंगा होकर सीधे 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र यानी मंगलवार को यह 1,57,200 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी तरफ, चांदी की कीमतों ने भी सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। चांदी 4,000 रुपये की भारी-भरकम छलांग लगाकर 2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है, जो मंगलवार को 2,42,000 प्रति किलो पर बंद हुई थी।सोने के भाव में यह तेजी लगातार सातवें सत्र में भी जारी रही है। आंकड़े गवाह हैं कि महज एक हफ्ते पहले, यानी 3 अगस्त को सोने की कीमत 1,47,400 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। तब से लेकर अब तक सोना 12,400 रुपये यानी कुल 8.4 प्रतिशत मजबूत हो चुका है। यह रफ्तार दिखाती है

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या चल रहे हैं सोने-चांदी के भाव?

भारतीय बाजारों की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। वैश्विक स्तर पर हाजिर सोना 1.02 प्रतिशत (44.48 डॉलर) की मजबूती के साथ 4,412.63 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय चांदी भी 2.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.23 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई है।

सोने की कीमतों में लगातार सातवें दिन रिकॉर्ड तेजी देखी गई और यह 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं चांदी भी 4,000 रुपये महंगी होकर 2.46 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। जानें इस ऐतिहासिक उछाल की असली वजह।सोने की चमक इतनी तेज हो चुकी है कि अब इसे देखना भी आम आदमी की आंखों को चौंधिया रहा है! जी हां, दिल्ली के सराफा बाजार में सोने ने लगातार सातवें दिन उड़ान भरते हुए एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना दिया है। सोना अब 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के जादुई और बेहद महंगे स्तर पर पहुंच चुका है। सिर्फ सोना ही नहीं, बल्कि चांदी की चमक भी इस बार चौगुनी हो गई है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी का कहना है कि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में गिरावट और स्थिर अमेरिकी डॉलर ने भी सोने-चांदी की कीमतों को वैश्विक स्तर पर मजबूत सहारा दिया है। सामने आने से पहले कई बड़े निवेशक अभी भी थोड़ा सतर्क रुख अपनाए हुए हैं।

The Bonus Market Update: सेंसेक्स 70 अंक से ज्यादा लुढ़का, निफ्टी में भी गिरावट; कच्चे तेल और सीपीआई पर नजर

बुधवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में कमी दर्ज की गई। मध्य पूर्व में कच्चे तेल के दाम बढ़ने और अमेरिकी सीपीआई आंकड़ों के इंतजार से बाजार पर दबाव रहा। जानें वैश्विक बाजारों का हाल और प्रमुख शेयरों की स्थिति। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में कमी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में अस्थिर राजनीतिक उठापटक के बीच कच्चे तेल के दाम 90 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रहे हैं। बाजार का ध्यान अब अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। ये आंकड़े बुधवार को ही जारी होने वाले हैं। महंगाई के इन आंकड़ों से वैश्विक ब्याज दर की उम्मीदों पर नए संकेत मिलने की उम्मीद है। साथ ही, ये आंकड़े व्यापक बाजार धारणा को भी प्रभावित करेंगे। बुधवार को सुबह 09:27 बजे, सेंसेक्स 70.98 अंक या 0.09 फीसदी गिरकर 78,083.27 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी भी 55.41 अंक या 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 24,416.30 पर था। भारतीय बाजार में हिंडाल्को के शेयरों में दो फीसदी की वृद्धि देखी गई। वहीं, बजाज फिनसर्व के शेयरों में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की नजर अब अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर टिकी है।पश्चिम एशिया में जारी अस्थिर राजनीतिक उठापटक के कारण कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

अमेरिका के नए टैरिफ बिल से भारत में चिंता: औद्योगिक संगठन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले को लेकर औद्योगिक संगठन ने चिंता जाहिर की है। ईईपीसी इंडिया नाम के इस संगठन ने कहा कि अमेरिकी सीनेट ने प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को रूसी ऊर्जा के शीर्ष आयातकों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले बिल को मंजूरी दे दी है। इससे भारत से इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है। संगठन के मुताबिक अगर यह कानून बन जाता है तो इसके नतीजे बेहद गंभीर हो सकते हैं। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा, यह हमारे लिए वाकई चिंता की बात है, क्योंकि अमेरिका भारतीय इंजीनियरिंग सामानों का टॉप मार्केट है। बिल को अभी लेजिस्लेटिव प्रोसेस पूरा करना बाकी है लेकिन यह हमारे लिए सच में चिंता की बात है। चड्ढा ने कहा, लिंड्से ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम का यह बिल, अगर अमेरिकी कांग्रेस से मंजूर हो जाता है और कानून बन जाता है, तो इंडियन गुड्स एक्सपोर्ट पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी इसके किसी भी संभावित असर पर बात करना जल्दबाजी होगी।

अनुपमा परमेश्वरन ने किया चौंकाने वाला खुलासा बोलीं -दो साल तक मैं एक रिश्ते में

Anupama Parameswaran On Relationship: अनुपमा परमेश्वरन की पुरानी पोस्ट के बाद फैंस के बीच उनके व्यक्तिगत रिश्तों में तनाव होने की खबरें चल रही थीं। इसपर अब एक्ट्रेस खुलकर सामने आई हैं। बीते दिनों अनुपमा परमेश्वरन ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को लेकर पोस्ट किया था। इससे फैंस को उनके ब्रेकअप का अंदाजा हो गया था। एक इंटरव्यू के दौरान आई एम धान्या वर्मा नाम के शो में उन्होंने अपने रिश्तों पर बात की। अनुपमा परमेश्वरन ने बताया कि उनके इंस्टाग्राम पोस्ट में दो साल तक चले एक रिश्ते में हुए दुर्व्यवहार का जिक्र है। उन्होंने इस बारे में तभी बात की जब उन्हें लगा कि वह अब इस स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। अनुपमा ने कहा अपनी बातचीत में आगे अनुपमा परमेश्वरन ने कहा, 'पहली श्रेणी में वे लोग आते हैं जो पीड़ित लोगों को जानते हैं, यानी वे परिवार और मित्र जिन्होंने किसी को पीड़ित होते देखा है। दूसरी श्रेणी में वे लोग आते हैं उन्होंने यह शब्द सुना तो होगा, लेकिन इसके बारे में किसी तरह की कोई खोजबीन नहीं की होगी।

तीसरी श्रेणी में वे लोग आते हैं जो इसे जेंडर-आधारित बताते हैं और अनुमानों के आधार पर निगेटिव टिप्पणियां करते हैं। अगली श्रेणी में वे लोग आते हैं जिनसे मैं बात करना चाहती हूं, वे लोग जो इस स्थिति से गुजर चुके हैं लेकिन अभी तक इसे पहचान नहीं पाए हैं। यही सबसे ज्यादा खतरनाक है।' अनुपमा परमेश्वरन ने कई महीनों पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लया था।

एक्ट्रेस के हालिया फेसबुक पोस्ट से फैंस को उनके तनाव में होने का अंदाजा लगा था।

उन्होंने पोस्ट में खुद को चुननेऔर आजादी के बारे में लिखा था।

इसे पढ़कर फैंस ने उनके और ध्रुव विक्रम के रिश्ते पर सवाल खड़े किए। मैंने यह पोस्ट तब शेयर किया जब मैं उस रिश्ते से बाहर आ गई।

सुशांत सिंह राजपूत की बहन का बड़ा दावा कहा- वो परेशान थे उनके पास कुछ जानकारी थी मर्डर को लेकर कही ये बात

Sushant Singh Rajput: सुशांत सिंह राजपूत की मौत को 6 साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है, लेकिन उनकी मौत को लेकर सवाल आज भी उठते रहते हैं। अब एक बार फिर सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने सुशांत की मौत को लेकर बड़े खुलासे किए हैं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को मुंबई स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। उनकी मौत को लेकर कुछ लोगों ने इसे आत्महत्या माना, जबकि कुछ लोगों ने इसमें किसी तरह की साजिश और गलत काम की आशंका जताई थी। सुशांत की बहन श्वेता लगातार अपने भाई के लिए इंसाफ की मांग करती रही हैं। हाल ही में 'सुपरटॉक्स बाय द मूविंग शिप' को दिए इंटरव्यू में श्वेता ने कहा कि 6 साल बाद भी परिवार को यह पता नहीं चल पाया है कि आखिर उस दिन हुआ क्या था। श्वेता ने यह भी दावा किया कि दिशा सालियान की मौत के बाद सुशांत काफी परेशान रहने लगे थे। दिशा सालियान सुशांत की मैनेजर थीं और मुंबई की एक बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरने के बाद उनकी मौत हो गई थी।

'अवारापन' के फ्लॉप होने से निराश हुई थीं श्रिया सरन

नॉमिनेशन के बावजूद अवॉर्ड शो में नहीं मिला था न्योता

Shriya Saran: फिल्म 'अवारापन' के सीक्वल 'अवारापन 2' की रिलीज से पहले श्रिया सरन ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें शेयर की हैं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। फिल्म 'अवारापन' ने समय के साथ इस फिल्म ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई और आज इसे एक कल्ट फिल्म के तौर पर देखा जाता है। फिल्म में इमरान हाशमी, श्रिया सरन और मृणालिनी शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब फिल्म के सीक्वल 'अवारापन 2' की रिलीज से पहले श्रिया सरन ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें साझा की हैं। श्रिया सरन ने पिंकविला से बातचीत में बताया, 'जब फिल्म रिलीज हुई थी, तो हम सभी को इससे बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। मुझे लगता है कि यह फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। इसे कुछ अवॉर्ड शो में नॉमिनेशन भी मिला था, लेकिन उन्होंने मुझे इनवाइट तक नहीं किया।'

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा था कि 'अवारापन' को दर्शक खूब पसंद करेंगे और फिल्म को सेलिब्रेट किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसकी वजह से वह काफी निराश हुई थीं। श्रिया ने बताया कि फिल्म की रिलीज के कई साल बाद भी लोग उनसे मिलकर 'अवारापन' की तारीफ करते हैं। पहले उन्हें लगता था कि शायद लोग फिल्म के गानों की वजह से इसे पसंद करते हैं, क्योंकि फिल्म का म्यूजिक काफी पॉपुलर था और इमरान हाशमी की परफॉर्मेंस भी शानदार थी। लेकिन अब श्रिया को लगता है कि लोगों को फिल्म की कहानी और उसकी भावनाओं ने जोड़ा था। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही इंटेंस कहानी थी और दर्शकों ने इसे दिल से महसूस किया। यही वजह है

क्या 'धुरंधर' फेम दानिश पंडोर करने वाले हैं शादी?

अभिनेता ने दी प्रतिक्रिया गर्लफ्रेंड आहाना कुमरा संग आए नजर

Actor Danish Pandor Marriage Rumours: 'धुरंधर' फेम दानिश पंडोर जल्द शादी कर सकते हैं, ऐसी अटकलें लग रही हैं। इन अफवाहों पर अभिनेता ने क्या जवाब दिया, जानिए? 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी में अभिनेता दानिश पंडोर ने उजैर बलोच का किरदार निभाया था। इस फिल्म के बाद दानिश की खूब चर्चा रही। साथ ही उनकी लव लाइफ भी सुर्खियों में आई। हाल ही में गर्लफ्रेंड आहाना कुमरा के साथ उनकी शादी की अटकलें भी लगीं। इस पर अभिनेता ने क्या प्रतिक्रिया दी, जानिए?

शादी की अटकलों पर क्या रही दानिश की प्रतिक्रिया?

एक वायरल वीडियो में दानिश पंडोर और आहाना कुमरा किसी इवेंट में साथ नजर आए। इस मौके पर दोनों ने साथ में पैपराजी को पोज दिए। इसी दौरान पैपराजी ने पूछा, 'गुड न्यूज कब दे रहे हैं? शादी की खबर कब सुना रहे हैं?' इस सवाल के जवाब में यह कपल काफी देर तक मुस्कुराता रहा। दानिश पंडोर ने साल 2025 में फिल्म 'धुरंधर' और 2026 में 'धुरंधर 2' में अभिनय किया था। इस फिल्म में उन्होंने उजैर बलोच का किरदार निभाया, इस किरदार में उनके अभिनय को खूब सराहा गया।

Kangana Ranaut: कंगना ने दिल्ली की सीएम के साथ मनाई तीज क्वीन के गाने पर लगाए ठुमके साझा की तस्वीरें

Kangana Ranaut Celebrated Teej With Delhi CM Rekha Gupta: कंगना रनौत ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के घर पर तीज का त्योहार मनाया। इस उत्सव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए भावुक संदेश भी लिखा। कंगना रनौत ने बुधवार देर रात इंस्टाग्राम पर तीज उत्सव मनाते हुए कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के घर पर तीज का त्योहार मनाया। इस मौके पर वह हरे रंग की साड़ी पहने नजर आईं। रेखा गुप्ता के साथ भी उन्होंने तीज मनाते हुए कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इंस्टाग्राम पर तीज मनाते हुए तस्वीरें पोस्ट करने के साथ ही कंगना ने एक कैप्शन भी लिखा। वह इसमें लिखती हैं, 'मेरी पहली तीज का त्योहार। रेखा दीदी के घर पर। उन्होंने सच में एक बड़ी बहन का प्यार और दुलार दिया। बिल्कुल घर जैसा अपनापन मुझे मिला।' आगे कंगना ने कई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह हाथों में मेहंदी लगाती दिखाई दीं। उनके ईद-गिर्द कई और महिलाएं भी बैठी थीं। आगे तस्वीरों में वह अपनी फिल्म 'क्वीन' के गाने 'लंदन ठुमका दा' पर डांस करती दिखीं। उनके साथ तीज का त्योहार मनाने आईं महिलाओं ने भी डांस किया। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने भी कंगना के साथ डांस किया। कंगना रनौत बतौर सांसद अपनी नई भूमिकाओं को निभा रही हैं। साथ ही वह एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं।

काम करने की कमी महसूस नहीं होती

बैन लगाने वालों का आतिफ असलम ने किया धन्यवाद

Atif Aslam: पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम की आवाज के भारत में भी लाखों फैंस हैं। हालांकि, साल 2016 के बाद से वह भारत में काम नहीं कर पाए हैं। अब सिंगर ने इस मामले पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। 2016 उरी आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर रोक लग गई थी। इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) ने भी अपने सदस्यों से पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों को नए प्रोजेक्ट्स में काम न देने का प्रस्ताव पास किया था। इस बैन का असर आतिफ असलम समेत कई पाकिस्तानी कलाकारों पर पड़ा। अब आतिफ ने एक यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान भारत में अपने करीब एक दशक लंबे ब्रेक के बारे में खुलकर बात की। भारत में अपनी गैरमौजूदगी के बारे में बात करते हुए आतिफ असलम ने कहा कि उन्हें भारत में बैन हुए करीब 10 साल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'यह भारत सरकार का फैसला था। उन्होंने पाकिस्तान के कलाकारों पर बैन लगाने का फैसला किया। अब पाकिस्तान में भी भारतीय कलाकारों पर बैन है। पिछले 10 साल से मैंने वहां कोई गाना नहीं किया है।' आतिफ असलम ने अपने भारतीय फैंस के लिए भी खास मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात से दुखी होने की जरूरत नहीं है। सिंगर ने कहा, 'मैं हमेशा आपको बताना चाहता था कि मुझे आप लोगों की याद आती है। मुझे वहां काम करने की कमी महसूस नहीं होती, लेकिन मुझे आप लोगों की याद

Box Office: 'स्पाइडर मैन 4' का धमाल बरकरार लाखों में सिमटी ओह माय डॉग की कमाई जानें बाकी फिल्मों का हाल

Box Office Collection: इन दिनों हॉलीवुड की दो बड़ी फिल्में- मार्वल की 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' और क्रिस्टोफर नोलन की 'द ओडिसी' सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। इन फिल्मों के बीच 2 और फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। जानिए इन सब का कलेक्शन। 'स्पाइडर मैन- ब्रांड न्यू डे' के जबरदस्त क्रेज के बीच हिंदी फिल्म 'ओह माय डॉग' और साउथ इंडियन फिल्म 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' भी रिलीज हो चुकी है। जानिए इन फिल्मों ने 'स्पाडर मैन' और 'द ओडिसी' को कलेक्शन में कितनी टक्कर दी है।

- 'ओह माय डॉग' के लिए बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत ज्यादा खास नहीं रही।
- पहले हफ्ते में ही इसकी कमाई लाखों में आ गई है।
- फिल्म ने बुधवार को महज 20 लाख की कमाई की है।
- इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 3.95 करोड़ का हो गया है।
- पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओह माय डॉग' 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।
- पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओह माय डॉग' 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

साउथ इंडियन फिल्म 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' भी 'ओह माय डॉग' के साथ 7 अगस्त को रिलीज हुई है। लेकिन 'ओह माय डॉग' के मुकाबले 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म ने बुधवार को 5 करोड़ की कमाई की। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 37.50 करोड़ का हो गया है। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' को रिलीज हुए करीब 26 दिन हो चुके हैं, लेकिन फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है। फिल्म ने बुधवार को 1.71 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 173.87 करोड़ का हो गया है।

Aaj Ka Rashifal 13 August

कर्क राशि को मिलेगा आर्थिक लाभ, तुला के लिए खुलेंगे तरक्की के नए रास्ते

Rashifal 13 August: आइए जानते हैं आज का दिन मेष से लेकर मीन राशि वालों के लिए कैसा रहेगा।
Rashifal 13 August: 13 अगस्त 2026 का दिन ग्रह-नक्षत्रों की चाल के लिहाज से सभी 12 राशियों के लिए अलग-अलग संकेत लेकर आया है। किसी के लिए आज करियर और धन से जुड़े मामलों में अच्छे अवसर बन सकते हैं, तो कुछ राशियों को जरूरी फैसलों में संयम और समझदारी से काम लेने की जरूरत होगी। प्रेम, परिवार, नौकरी, कारोबार और आर्थिक स्थिति के लिहाज से आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा? आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का आज का दैनिक राशिफल।

मेष

आज का दिन थोड़ा व्यस्त और भागदौड़ भरा रह सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से मन पर दबाव महसूस होगा, लेकिन आपकी समझदारी हर चुनौती को आसान बना देगी। बाहर किसी से छोटी-मोटी कहासुनी होने की संभावना है, इसलिए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। आपकी विनम्रता और मधुर व्यवहार ही बिगड़ते हालात को संभालने का काम करेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी उठाएंगे। हालांकि खान-पान में संतुलन बनाए रखें, ताकि सेहत प्रभावित न हो। मां की किसी बात या नाराजगी को गंभीरता से लें और धैर्य के साथ रिश्तों में मधुरता बनाए रखें।

वृषभ

आज का दिन उपलब्धियों और सम्मान से भरा रहने वाला है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके भविष्य के लिए नए अवसर लेकर आ सकती है। आपकी कार्यशैली और मेहनत की हर तरफ सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी और धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा। हालांकि काम के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए कार्यों को गति देगा और लंबे समय से चली आ रही कोई इच्छा पूरी हो सकती है।

मिथुन

आज का दिन खुशियों और सुकून से भरा रहेगा। कामकाज में सही दिशा और उचित मार्गदर्शन मिलने से आपके कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे होंगे। यदि राजनीति, सामाजिक क्षेत्र या किसी नए काम में कदम रखने की योजना बना रहे हैं तो हर निर्णय सोच-समझकर लें। परिवार के सामने कोई पुरानी बात उजागर हो सकती है, इसलिए संयम बनाए रखें। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में हल्की कहासुनी संभव है, लेकिन धैर्य से काम लेंगे तो स्थिति आपके पक्ष में हो जाएगी।

कर्क

आज आपका आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। व्यापार में कोई बड़ी डील फिलहाल अटक सकती है, लेकिन निराश होने की जरूरत नहीं है। सही समय आने पर परिस्थितियां आपके पक्ष में होंगी। मामा पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। पड़ोस या आसपास के लोगों के साथ अनावश्यक विवाद से बचें। सरकारी कार्यों में लापरवाही करने की बजाय हर दस्तावेज और प्रक्रिया पर पूरा ध्यान दें।

सिंह

आज आपको घर और कार्यक्षेत्र दोनों जगह संतुलन बनाकर चलना होगा। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास आपको सफल बनाएंगे। विदेश से जुड़े कार्य करने वालों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। प्रेम संबंधों में अपनापन और मधुरता बढ़ेगी, वहीं पारिवारिक जीवन में भी समझदारी से काम लेना जरूरी रहेगा। जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला बाद में परेशानी का कारण बन सकता है। यदि प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना रहे हैं तो लोन या वित्तीय व्यवस्था पर चर्चा आगे बढ़ सकती है।

कन्या

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। आपकी रचनात्मक सोच और प्रतिभा लोगों को प्रभावित करेगी। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा, ताकि भविष्य में आर्थिक परेशानी न आए। परिवार या दोस्तों के साथ किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल होकर मन प्रसन्न रहेगा। संतान के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें। ऑफिस में मिली जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे, जिससे वरिष्ठ अधिकारी भी आपकी प्रशंसा करेंगे।

तुला

आज का दिन बदलाव और नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। नौकरी बदलने या नई जिम्मेदारी मिलने के अवसर सामने आ सकते हैं। अपने लिए कोई नई और पसंदीदा वस्तु खरीदने का मन बनेगा। जीवनसाथी के लिए किया गया छोटा-सा सरप्राइज रिश्तों में नई मिठास घोल देगा। आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। लंबे समय से अटकी हुई कोई डील या योजना आज पूरी होने की संभावना है, जिससे मन बेहद प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक

आज खुशियों की कई वजहें आपको मिलने वाली हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपको हर कदम पर मिलेगा। मां के स्वास्थ्य में सुधार होने से मन को बड़ी राहत मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी या नया अवसर मिल सकता है। परिवार में चल रहे पुराने मतभेद बातचीत और समझदारी से खत्म होंगे, जिससे घर का माहौल फिर से खुशहाल और सकारात्मक बनेगा।

धनु

आज का दिन व्यस्त जरूर रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत अच्छे परिणाम भी दिलाएगी। जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने की आपकी आदत आपको दूसरों से अलग पहचान दिलाएगी। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज या प्यार भरा उपहार आपका दिन यादगार बना सकता है। यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिलेगी जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। संतान की सफलता या उनसे जुड़ी कोई खुशखबरी पूरे परिवार के चेहरे पर मुस्कान ले आएगी।

मकर

आज तकनीक, शिक्षा और ज्ञान से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अनुकूल रहेगा। नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा और आप हर अनुभव से कुछ नया हासिल करेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। सरकारी कार्यों में थोड़ी देरी या भागदौड़ संभव है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। आसपास के लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। वैवाहिक जीवन में छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप रिश्तों में मधुरता बनाए रखेंगे।

कुंभ

आज नई शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। नया काम शुरू करने या किसी नई योजना पर काम करने का विचार सफल हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए उठाए गए कदम भविष्य में लाभ देंगे। परिवार का सहयोग और समर्थन आपको हर निर्णय में आत्मविश्वास देगा। पुराने कर्ज या आर्थिक जिम्मेदारियों को कम करने की दिशा में अच्छी प्रगति होगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें और जरूरत महसूस हो तो समय पर डॉक्टर की सलाह लें।

मीन

आज व्यापार और करियर में सफलता के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। नई योजनाओं पर खर्च जरूर बढ़ेगा, लेकिन भविष्य में वही निवेश लाभ का कारण बनेगा। लंबे समय से चली आ रही कोई समस्या समाप्त होने से मन को राहत मिलेगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, ताकि आर्थिक संतुलन बना रहे। कीमती सामान और जरूरी दस्तावेजों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। जीवनसाथी के साथ तालमेल और आपसी समझ बनाए रखेंगे तो हर योजना सफल होती चली जाएगी।

Aaj Ka Love Rashifal

मिथुन राशि वालों को रिश्ते में रखना होगा धैर्य, धनु को मिलेगा पार्टनर का खास सरप्राइज

13 अगस्त 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से सभी राशियों के लिए अलग-अलग संकेत लेकर आया है। किसी के रिश्ते में प्यार बढ़ेगा, तो कुछ लोगों को गलतफहमी दूर करने का मौका मिलेगा। जानें मेष से मीन तक आज का लव राशिफल।
13 August Love Rashifal: 13 अगस्त 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में खास रह सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर लोगों के निजी जीवन और रिश्तों पर देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों के लिए आज का दिन प्यार, रोमांस और आपसी समझ बढ़ाने वाला रहेगा, तो कुछ लोगों को रिश्ते में चल रही गलतफहमियों को दूर करने का मौका मिल सकता है। जो लोग सिंगल हैं, उनके जीवन में किसी खास व्यक्ति की एंट्री के संकेत मिल सकते हैं। वहीं, प्रेम संबंधों में चल रहे लोगों को पार्टनर के साथ खुलकर बातचीत करने और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की जरूरत होगी। विवाहित लोगों के लिए भी दिन रिश्ते में मिठास बढ़ाने वाला हो सकता है। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए आज का लव राशिफल कैसा रहेगा।

Sun Transit 2026

सावन के तीसरे सोमवार पर इन राशि वालों के शुरू होंगे अच्छे दिन, सूर्य करेंगे सिंह में प्रवेश

Sun Transit 2026: इस साल सावन सोमवार के शुभ संयोग में सूर्य गोचर हो रहा है। ऐसे में इस दिन पर भगवान शिव की पूजा और सूर्य के अपनी स्वराशि में प्रवेश का संयोग कुछ राशि वालों के लिए विशेष फलदायी साबित हो सकता है।
Sun Transit 2026: सावन का तीसरा सोमवार 17 अगस्त 2026 को है। इस दिन विशेष योग भी बन रहे हैं। वहीं, इस दिन ग्रहों के राजा सूर्य अपनी स्वराशि सिंह में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का राजा माना गया है और उनका अपनी ही राशि में गोचर बेहद शुभ और कल्याणकारी होता है। इसका प्रभाव जातकों के अटके काम को पूरा करने, लाभ, आत्मविश्वास से लेकर मान-सम्मान को बढ़ाने वाला माना जाता है। माना जाता है कि, सूर्य का प्रभाव व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार लाता है और उसका प्रभाव लोगों पर अधिक होता है। वहीं, रिश्तों में मधुरता भी आती है। ऐसे में सावन सोमवार के शुभ संयोग का इस दिन होना और भी कई लाभ के संकेत दे रहा है। सावन सोमवार पर भगवान शिव की पूजा और सूर्य के अपनी स्वराशि में प्रवेश का संयोग कुछ राशि वालों के लिए विशेष फलदायी साबित हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि यह समय किन राशियों के लिए भाग्य के द्वार खोल सकता है।

Mars Nakshatra Gochar 2026

मंगल ने ली राहु के घर में एंट्री, मेष सहित इन राशि वालों के लिए समय रहेगा कष्टकारी

Mars Enters Ardra Nakshatra 2026: मंगल ने राहु के नक्षत्र में परिवर्तन कर लिया है। ऐसे में यह समय कुछ राशि वालों के लिए परेशानियों वाला हो सकता है। इस दौरान छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। आइए इन राशियों को जानते हैं।
Mars Enters Ardra Nakshatra 2026: मंगल राहु के नक्षत्र आर्द्रा में प्रवेश कर चुके हैं। ज्योतिष शास्त्र में मंगल और राहु दोनों ग्रहों के बीच आक्रामक संयोजन माना जाता है। दोनों ग्रह अपने विपरीत प्रभाव के लिए जाने जाते हैं। मंगल जहां ऊर्जा, साहस, भूमि और युद्ध के कारक हैं, वहीं राहु अचानक होने वाली घटनाओं, भ्रम को दर्शाते हैं। दोनों का स्वभाव बेहद अलग है। ऐसे में इसका संयोग कुछ राशि वालों के लिए मुश्किलों भरा हो सकता है। जातकों को लाभ पाने के लिए कड़ी मेहनत और सफलता के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। इस दौरान जल्दबाजी में लिए गए फैसले नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि, इस समय किन राशियों को अलर्ट रहने की आवश्यकता रहेगी।

मेष राशि
मेष राशि वालों को सावधानी रखने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपको निर्णय लेने में असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। धन लाभ के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। छोटी-सी अनदेखी भी परेशानी का कारण बन सकती है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और किसी काम को पूरा करने के लिए सामान्य से अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। करियर से जुड़े कामों को लेकर अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं।

क्या युवी-भज्जी की वजह से गांगुली ने कप्तानी छोड़ने की दे दी थी धमकी हरभजन ने सुनाई चौंकाने वाली कहानी

हरभजन सिंह ने सौरव गांगुली की कप्तानी के दिनों की एक मजेदार कहानी सुनाई है। उन्होंने बताया कि कैसे युवराज सिंह के साथ मिलकर उन्होंने गांगुली को अप्रैल फूल बनाने के लिए फर्जी अखबार की कटिंग तैयार की थी। राहुल द्रविड़ समेत कुछ सीनियर खिलाड़ी भी इस शरारत में शामिल थे। भारतीय क्रिकेट के ड्रेसिंग रूम की पुरानी यादें अक्सर मैदान पर मिली जीत से कम दिलचस्प नहीं होतीं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने ऐसी ही एक मजेदार कहानी साझा की है, जिसमें सौरव गांगुली कप्तान थे और हरभजन और युवराज सिंह की जोड़ी ने उन्हें ऐसी शरारत में फंसा दिया था कि कुछ देर के लिए 'दादा' भी परेशान हो गए थे। हरभजन ने बताया कि गांगुली के दौर में ड्रेसिंग रूम का माहौल किसी परिवार जैसा था। यही वजह थी कि खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ मजाक भी कर पाते थे और खुलकर समय बिताते थे।

युवी-भज्जी ने तैयार की फर्जी अखबार की कटिंग

हरभजन के मुताबिक, एक दिन उन्होंने और युवराज सिंह ने गांगुली के साथ अप्रैल फूल प्रैंक करने का फैसला किया। दोनों ने एक फर्जी अखबार की कटिंग तैयार की, जिसमें गांगुली के नाम से ऐसी बात लिखी गई थी, जो उन्होंने वास्तव में कभी कही ही नहीं थी। इसके बाद युवराज ने गांगुली से उसी कथित बयान को लेकर सवाल पूछने शुरू कर दिए। हरभजन ने भी पूरा माहौल गंभीर बनाए रखा और कुछ सीनियर खिलाड़ियों को भी इस शरारत में शामिल कर लिया। हरभजन ने बताया, 'मैंने उनसे कहा- पाजी, आप ही बताइए। दादा, अगर आपने सच में ऐसा किया है तो यह गलत है। राहुल द्रविड़ ने भी शानदार तरीके से अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा- दादा, यह ठीक नहीं हुआ।' गांगुली बोले- मैंने नहीं किया, कप्तानी छोड़ दूंगा

जब हरभजन और द्रविड़ जैसे सीनियर खिलाड़ी भी गांगुली को घेरने लगे तो वह पूरी तरह असमंजस में पड़ गए। हरभजन के मुताबिक, गांगुली ने अपनी सफाई देते हुए कहा

'मैं कसम खाता हूं, मैंने ऐसा नहीं किया। अगर मैंने यह किया है तो मैं कप्तानी छोड़ दूंगा।' गांगुली लगातार पूछ रहे थे कि आखिर उन्होंने यह बात कहां कही है। दूसरी ओर, हरभजन और युवराज अपनी हंसी रोकने की कोशिश कर रहे थे। आखिरकार जब उन्हें पूरी सच्चाई बताई गई तो गांगुली ने दोनों को दौड़ा लिया।

हरभजन ने कहा, 'जैसे ही हमने उन्हें बताया कि यह मजाक था, दादा हमारे पीछे दौड़ पड़े और कहने लगे, 'रुको, तुम लोग क्या कर रहे हो?' इससे हमें पता चला कि वह किस तरह के कप्तान थे। अगर कोई और होता तो शायद बहुत गुस्सा करता, लेकिन दादा हमारे लिए बड़े भाई जैसे थे।' जॉन राइट भी बाहर करते रहे इंतजार

इस पूरी शरारत में तत्कालीन कोच जॉन राइट को भी बाहर ही रखा गया था। हरभजन ने बताया कि टीम को उस समय अभ्यास के लिए जाना था और राइट मैदान पर कोन लेकर खिलाड़ियों का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'हमने उनसे कहा था, 'यह टीम का मामला है, हम इसे संभाल लेंगे।' वह बाहर कोन लेकर इंतजार करते रहे, लेकिन 15-20 मिनट गुजर गए और टीम अंदर ही थी, क्योंकि यह पूरा ड्रामा चल रहा था। शुक्र है कि हमने आखिरकार इसे खत्म किया।'

खुश ड्रेसिंग रूम ही जीतने वाला ड्रेसिंग रूम'

हरभजन ने इस किस्से को सिर्फ मजाक तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने बताया कि ऐसे पल टीम के खिलाड़ियों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में हमेशा गंभीर माहौल रहने के बजाय खिलाड़ियों के बीच खुशी और मस्ती भी होनी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'खुश ड्रेसिंग रूम ही जीतने वाला ड्रेसिंग रूम होता है। ड्रेसिंग रूम में आप एक-दूसरे के साथ जितने खुश रहेंगे, मैदान पर उतरने के बाद उतना ही बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'

ODI World Cup 2027

वनडे विश्वकप को लेकर हरभजन की कोच गंभीर को खास सलाह

4-5 महीने पहले ही ऐसा कर लेने को कहा

वनडे विश्व कप 2027 में अब करीब एक साल का वक्त है, लेकिन टीम इंडिया को लेकर मंथन अभी से तेज है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोच गौतम गंभीर को खास सलाह देते हुए टीम को विश्व कप से चार-पांच महीने पहले तक तय करने की बात कही है। सवाल है कि गंभीर कब तक प्रयोग जारी रखेंगे? वनडे विश्वकप 2027 को आने में अभी लगभग एक साल का वक्त बचा है। हालांकि, सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। कुछ टीमें लगातार प्रयोग कर रही हैं, वहीं कुछ टीमों की नजर अपने कोर खिलाड़ियों को लगातार मौका देने पर है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि गंभीर को अभी जितने प्रयोग करने हैं कर लें, लेकिन विश्वकप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले टीम तय करना होगा और उन्हें पता होना चाहिए कि कौन से 15 खिलाड़ी विश्वकप खेलने जा रहे हैं।

भज्जी ने गंभीर को क्या दी सलाह?

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में हरभजन ने कहा, 'भारतीय टीम में कई विकल्प हैं और उनमें से किसी एक को चुनना बेहद मुश्किल है। लेकिन गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्हें उन वेन्यू और कंडीशन का पता करना होगा, जिनमें भारत 2027 वनडे विश्वकप खेलने जा रहा है। गंभीर को फिर उसी के मुताबिक टीम बनानी होगी। एक साल का समय पर्याप्त समय है। मेरा मानना है कि विश्व कप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले तक टीम तय हो जानी चाहिए। उन्हें कई चीजों को ध्यान में रखना होगा और अभी से प्रयोग करने होंगे, ताकि उन खिलाड़ियों की पहचान की जा सके जो टूर्नामेंट के दौरान भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।'

टीम में कई विकल्प होना अच्छा सिरदर्द'

हरभजन ने कहा, 'भारत के पास कई विकल्प हैं। जब आपके पास कई विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

हरभजन ने समझाया कोहली और धोनी की कप्तानी में अंतर

गंभीर पर कहा- वह दिल के अच्छे लोगों को सच पसंद नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के बीच अंतर बताते हुए कहा कि कोहली ने टीम की सोच बदल दी। उन्होंने फिटनेस और फील्डिंग में कोहली के योगदान को भी अहम बताया। वहीं, गौतम गंभीर का बचाव करते हुए हरभजन ने कहा कि वह दिल के अच्छे हैं और सच बोलते हैं। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और एमएस धोनी की कप्तानी के अंदाज में क्या फर्क था और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर लोगों की राय क्यों अलग है? पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दोनों मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कोहली की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत बताते हुए गंभीर का भी बचाव किया और कहा कि वह दिल के अच्छे इंसान हैं, लेकिन लोगों को उनका सच बोलना पसंद नहीं आता। हरभजन ने 2010-11 के ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कोहली ने रन बनाने के साथ-साथ टीम की सोच पर भी असर डालना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, धोनी की कप्तानी में जहां कई बार मुश्किल लक्ष्य को हासिल करना लगभग असंभव माना जाता था, वहीं कोहली का रवैया था कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे हासिल करने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'विराट ने जो सबसे सरल बदलाव किया, वह मानसिकता का था। टेस्ट के पांचवें दिन कई बार ऐसी स्थिति आती थी जब हमें लगता था

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।

अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा

अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300